आकाशवाणी केन्द्र शिमला

08.08.2025 / प्रादेशिक समाचार / 11:00बजे

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू आज शिमला के पीटरहॉफ में शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान वे शिक्षा विभाग में नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे और विभाग में समग्र शिक्षा कार्यक्रम के तहत विभिन्न पहलों का भी शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर विशेष अतिथि के रूप में भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री शिक्षा विभाग में कई नई महत्वपूर्ण पहलों का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री पांच सरकारी स्कूलों के छात्रों को जापान शैक्षिक यात्रा के लिए विदाई देंगे।

रोहित ठाकुर

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर की अध्यक्षता में शिमला में शिक्षा विभाग और प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों की एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान शिक्षा मंत्री ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा और विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा की। रोहित ठाकुर ने कहा कि हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा से करीब 5 सौ दस शिक्षण संस्थान क्षतिग्रस्त हुए हैं जिनके लिए बजट प्रावधान किया जा रहा है।

जो हमारे डिप्टी डायरेक्टर्स है, भिन्न–भिन्न जिलों में नियुक्त है, उनकी भी एक अलग से मीटिंग होती है और उसमें ओवरऑल अपने डिपार्टमेंट का रिव्यू, एक धरातल की क्या जो हमारी पॉलिसी प्रोग्राम्स है, शिक्षा की क्या व्यवस्था, उसकी सही जानकारी प्राप्त होती है और आने वाले समय में जो हमने टारगेट अपने अधिकारियों को दिया है, वो निश्चित समय अवधि में, चाहे प्रमोशन के मैटर है, चाहे अन्य फंड्स विशेषकर जो हमारा मंडी का ही लगभग 219 स्कूल के आसपास आपके प्रभावित हुए थे और पूरे प्रदेश में संख्या बढ़कर 500 से अधिक हो चुकी है जो वर्तमान में जो आपका मानसून का दौर चला है तो उनके लिए भी पैसे का प्रावधान हो ताकि उसकी रिपेयर मेंटेनेंस हो स्कूल्स की।

पर्यटन कारोबार

प्रदेश में मॉनसून की वर्षा से जहां राज्य में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है, वहीं पर्यटन कारोबार पर भी विपरीत असर पड़ा है। राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक राजीव कुमार ने कहा कि सरकार पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कई कदम उठा रही है और 15 जुलाई से 12 सितम्बर तक अपने होटलों की बुकिंग पर 20 से 40 फीसदी तक डिस्काउंट का ऐलान किया है।

किसी प्रोडक्ट को परेशानी ना आए, इसके लिए सरकार प्रयास तो कर रही है, लेकिन सोशल मीडिया की वजह से एक छोटी सी न्यूज जो है एकदम से बहुत स्प्रेड हो जाती है, इस तरह का मैसेज चला जाता है कि जैसे पता नहीं पूरे प्रदेश में के लिए हम जो पूरा प्रयास कर रहे हैं, हमारा डिस्काउंट

पॉलिसी भी हमारी जैसे 15 जुलाई से शुरू हुई जो कि 12 सितंबर तक चलेगी, पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए देश सरकार है, टूरिज्म कॉरपोरेशन है, प्राइवेट सेक्टर सारे के सारे जो प्रयास कर रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश टूरिज्म स्टेक होल्डर एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहिंदर सेठ के मुताबिक प्रदेश में बादल फटने और लैंडस्लाइड की घटनाओं के चलते पर्यटकों ने प्रदेश में बुकिंग को रद्द कर दिया है। उन्होंने कहा कि ऑक्युपेंसी घटने से पर्यटन कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

जहां तक ये एक्चुअली शिमला का जो सर्किट है दैट इज क्वाइट सेफ मगर लोग डर जाते हैं जैसे अब मनाली की तरफ कुल्लू की अगर हम बात करें तो वहां बहुत सारा जो है लैंड स्लाइड वगैरह हो रही है अब उसकी जो एक पिक्चर चली जाती है टूरिस्ट को उसलिए जो है बिजनेस कम होता है एंड दीज द ऑकुपेंसी हार्डली 5 टू 10 परसेंट इवन वीकेंड में भी कोई 10–15 परसेंट से ऊपर जो है ऑकुपेंसी नहीं रह रही है।

बिक्रम ठाकुर

पूर्व मंत्री व जसवां प्रागपुर के विधायक बिक्रम सिंह ठाकुर ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर ऊना जिला के पेखुवेला सोलर पॉवर प्रौजेक्ट में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। कांगड़ा जिला के ढलियारा में कल एक पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने परियोजना में हुई अनिमितिताओं का खुलासा करते हुए इसकी जांच सीबीआई या न्यायिक आयोग से करवाने की मांग की। बिक्रम ठाकुर ने कहा कि ये परियोजना मात्र 15 दिन में तैयार की डीपीआर पर आधारित थी जिसकी अनुमानित लागत करीब सौ करोड़ थी लेकिन अब तक इस पर 2 सौ 40 करोड़ रूपए खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने परियोजना पूरी होने से पहले ही ठेकेदार को करीब 99 प्रतिशत भुगतान कर दिया है जबकि मौके पर निर्माण कार्य की स्थिति बेहद खराब है।

दुर्घटना

चंबा जिला के चुराह विधानसभा क्षेत्र के भंजराडू–चनवास–शाहवा मार्ग पर पधरी के समीप कल देर रात एक गाड़ी के गहरी खाई में गिरने से एक ही परिवार के 4 लोगों सहित 6 की मृत्यु हो गई है। ये सभी भंजराडू क्षेत्र चनवास पंचायत के निवासी थे। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने इस दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों से अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

मौसम

राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकतर भागों में मौसम आज आमतौर पर साफ बना हुआ है जबकि कुछ इलाकों में बादल छाए हुए हैं। पिछले दिनों हुई मॉनसून की भारी वर्षा से अस्त–व्यस्त जनजीवन को सामान्य बनाने के प्रयास जारी हैं। प्रदेश में भारी बारिश से हुई भूस्खलन जैसी घटनाओं से अभी तक प्रदेश में एक राष्ट्रीय उच्च मार्ग सहित 3 सौ 96 सड़कें अभी भी यातायात के लिए बंद हैं जबकि 6 सौ 31 बिजली ट्रांसफार्मर और एक सौ 82 पेयजल योजनाएं ठप्प पड़ी हैं। राज्य में वर्षा जनित घटनाओं में अब तक 202 लोगों की मृत्यु हो चुकी है जबकि 37 अभी लापता हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने आज राज्य के शिमला, ऊना, बिलासपुर, कांगड़ा, सोलन और सिरमौर जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।